Dr. HONEY SINHA
(Assistant Professor)
Dept. of Commerce

Sub:- Business Organisation (Sub)
Paper:- 1st (Subsidiary)

SNSRKS COLLEGE, SAHARSA

B.Com Part 1st

*Introduction

** Advantages Of A Joint Stock Company As Compared To Partnership **

(साझेदारी की तुलना में संयुक्त पूँजी वाली कंपनी से होने वाले लाभ)

एक संयुक्त पूँजी वाली कंपनी की स्थापना से साझेदारी की सीमाओं का न केवल उमूलन हो जाता है, अपितु इससे अनेक लाभ भी प्राप्त होते हैं, जिनके कारणवश ही साझेदारी को संयुक्त पूँजी वाली कम्पनी में परिवर्तित किया जाता है।

साझेदारी की तुलना में संयुक्त पूँजी वाली कम्पनी से होने वाले लाभ निम्नलिखित हैं—

(1) सीमित दायित्व— कम्पनी में अंशधारियों का दायित्व उनके क्रय किये गये अंशों के अंकित मूल्य तक सीमित होता है, जबकि साझेदारी में प्रत्येक साझेदार का दायित्व असीमित होता है। दायित्व की असीमितता का तत्व साझेदारों को बड़े व्यवसाय में धन का विनियोजन करने से रोकता है, जबकि दायित्व की सीमितता विनियोजकों को कम्पनी में धन का विनियोजन करने हेतु आकृष्ट करती है।

(2) व्यापक वित्तीय साधन— साझेदारी की तुलना में कम्पनी के व्यापक वित्तीय साधन होते हैं। उसे वित्तीय संस्थाओं से सस्ती ब्याज दर पर दीर्घकालीन तथा मध्यकालीन ऋण सरलता से प्राप्त हो जाता है। इसके विपरीत, साझेदारी को ये वित्तीय संस्थाएँ ऋण प्रदान नहीं करती है। इसके अतिरिक्त, कम्पनियों को जनता से कम ब्याज दर पर जमा प्राप्त हो जाती है।

(3) स्थायी अस्तित्व— संयुक्त पूँजी वाली कम्पनी का अस्तित्व अंशधारियों से पृथक होने के कारण स्थायी होता है। किसी अंशधारी की मृत्यु, पागलपन, दिवालियापन अथवा अन्य किसी

कारण से कम्पनी से हट जाने का कम्पनी के अस्तित्व पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। अंशधारियों का आवागमन चालू रहता है, किन्तु कम्पनी ज्यो-की-त्यों कायम रहती है। इसके विपरीत साझेदारी का अस्तित्व साझेदारों से पृथक न रहने के कारण अस्थायी होता है।

(4) कुशल प्रबन्ध – कम्पनी का प्रबन्ध कुशल प्रबंधकों एवं विशेषज्ञों के हाथों में रहने के कारण कुशलतापूर्वक चलाया जाता है, जबकि साझेदारी में प्रबन्ध का कार्य स्वयं साझेदारों द्वारा ही सम्पन्न किया जाता है, जिसके कारण उसमें कम्पनी की तुलना में कुशलता का अभाव रहता है।

(5) ख्याति में वृद्धि – संयुक्त पूँजी वाली कम्पनी की ख्याति सामान्यतः साझेदारी की ख्याति की तुलना में अधिक होती है। कम्पनी के प्रति जनसाधारण एवं सरकार का विश्वास भी अधिक होता है।

(6) विदेशी व्यापार में सहायक – विदेशों में मुख्यतः विकसित देशों में न तो साझेदारी का प्रचलन ही है और न वैधानिक रूप में इसे कोई मान्यता ही प्राप्त है, इस कारण विदेशी व्यापार कम्पनियों द्वारा ही सम्पन्न होता है। यह देखा गया है कि भारत में प्रगतिशील साझेदारी संस्थाओं ने केवल विदेशी व्यापार करने के लिए निजी कम्पनियों (Private Companies) की स्थापना की है।

(7) अन्य लाभ – साझेदारी की तुलना में संयुक्त पूँजी वाली कम्पनी से अन्य लाभ भी होते हैं जो निम्न हैं (i) अंश हस्तान्तरण में सुविधा, (ii) जोखिम का श्रेणीयन; (iii) अल्प बचत को प्रोत्साहन; (iv) भावी विकास की सम्भावनाएँ, आदि।

X

~~The end~~

* (एकाकी स्वामित्व की तुलना में संयुक्त पूँजी वाली कम्पनी से होने वाले लाभ) Advantages of A Joint Stock Co. As Compared to Sole Proprietorship. *

(3)

Date :
Page :

एकाकी स्वामित्व रूपी व्यवसाय का संयुक्त पूँजी वाली कम्पनी या व्यवसाय में परिवर्तित किये जाने का दूसरा प्रमुख कारण एकाकी स्वामित्व की सीमाओं का उन्मूलन होना एवं उसकी तुलना में अनेक सम्भावित लाभों का आकर्षण है। इससे प्रेरित होकर ही एकाकी स्वामित्व अपने व्यवसाय को संयुक्त पूँजी वाली कम्पनी रूपी व्यवसाय में परिवर्तित किये जाने का निर्णय करता है। एकाकी स्वामित्व की तुलना में संयुक्त पूँजी वाली कम्पनी से होने वाले लाभों के बिन्दु निम्न हैं —

(i) अधिक पूँजी
(ii) कुशल प्रबन्ध
(iii) सीमित दायित्व
(iv) स्थायित्व
(v) अधिक सदस्य संख्या
(vi) व्यापक व्यापार क्षेत्र
(vii) पंजीकृत संस्था
(viii) विशेषकों द्वारा लिये गये निर्णय
(ix) अधिक ख्याति आदि।

—x—

The end

Dr. Honey Sinha
(Assistant Professor)
Dept. of Commerce
SNSRKS College, Saharsa